हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में गणतंत्र दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में प्रतेयक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 69वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोउल्लास एवं धूम–धाम से मनाया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक, **डॉ. वी.पी. तिवारी** ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत उपस्थित जन–समूह को संबोधित करते हुए निदेशक महोदय ने भारत वर्ष के महान सपूतों को स्मरण करते हुए गणतंत्र दिवस मानाने की पृष्ठभूमि के बारे अवगत कराते हुए कहा कि स्वतंत्रता को पाने में इस देश की महान विभूतियों ने बहुत से बलिदान दिए तथा उन्हीं देश भक्तों के बलिदान का ही परिणाम है कि भारत देश आज इस मुकाम तक पहुंचा है तथा दिन–प्रतिदिन उन्नति के नये–नये आयाम स्थापित कर रहा है। आज विश्व में भारत देश की एक अलग ही पहचान बनती जा रही है।

उन्होंने कहा कि देश के नागरिकों को सरकार की ओर से बहुत सी सुविधाएँ भी दी जा रही है जिससे हमारी जीवनशैली में लगातार सुधार हो रहा है। भारतीय सविंधान के अंतर्गत हमें बहुत से अधिकार भी दिए गए है, परन्तु इस के साथ–साथ हम देश के सभी नागरिकों का यह उत्तरदायित्व भी है कि देश या समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं इमानदारी के साथ करें। जहाँ तक हमारे संस्थान का प्रश्न है, हम देश के बहुत ही संवेदनशील हिमालयन क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं तथा इस क्षेत्र में वन तथा पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण एवं

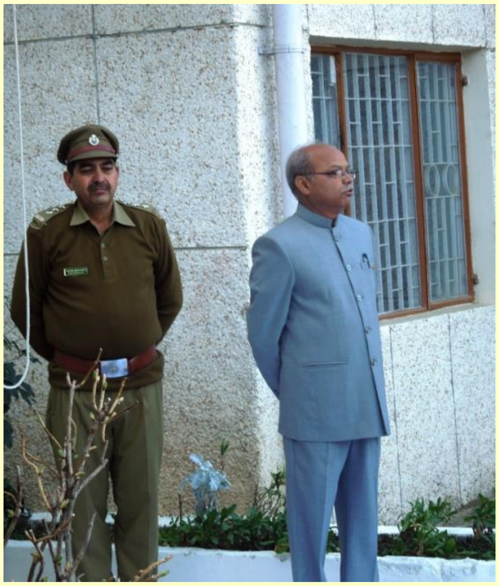

जलवायु परिवर्तन वैश्विक स्तर पर एक ज्वलंत समस्या है और संस्थान का कार्यक्षेत्र, विशेषकर उच्च पर्वतीय हिमालय क्षेत्र इससे विशेष रूप से प्रभावित है। इसलिए हम सभी का कर्तव्य है कि हम अपना कार्य पूर्ण समर्पण एवं ईमानदारी के साथ करना चाहिए ताकि हम हिमालयी क्षेत्र में वन आवरण को बढ़ाने तथा पर्यावरण सरंक्षण में अपना अमूल्य योगदान दे सकें। अपने संबोधन के अंत में उन्होंने संस्थान के समस्त कर्मचारियों का इस आयोजन में भाग लेने के लिए धन्यवाद किया।